Raj Express (Indore), 23rd November 2025, Page – 4

तकनीकी पहुंच के साथ समावेशी विकास

आईआईटी इंदौर की ओर से कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर के ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीआरडीटी) की ओर से दो दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम अयोजित किया गया। गौशाला, नयागांव, ग्राम पंचायत सिमरोल में डीएसटी-सीड परियोजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम का शीर्षक मध्य प्रदेश राज्य के इंदौर जिले के सिमरोल ब्लॉक में श्रमिक विकास समुदाय आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अनुसूचित जाति के श्रमिकों के लिए आजीविका हस्तक्षेप है। कार्यक्रम तीन क्षेत्रों पर केंद्रित रहा इसमें जैविक खेती से संबंधित तकनीकें, निर्माण सामग्री व संबंधित कौशल विकास और पीडीआई सिस्टम के माध्यम से फसल उपरांत समाधान। यह पहल ग्रामीण सशक्तिकरण, तकनीकी पहुंच और समावेशी विकास के प्रति सीआरडीटी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

तकनीकी समझ, रोजगार क्षमता, आजीविका कौशल को किया सुदृढ़: सिमरोल ब्लॉक के 190 प्रतिभागियों ने व्यावहारिक सत्रों, प्रदर्शन कार्यशालाओं और विशेषज्ञ संवादों में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों की तकनीकी समझ, रोजगार क्षमता और सतत् आजीविका कौशल को सुदृढ़ करना था। आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्यों और तकनीकी विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को आधुनिक जैविक खेती के तरीके, स्थानीय निर्माण सामग्री के प्रभावी उपयोग और उन्नत फसल उपरांत प्रबंधन तकनीकों की जानकारी प्रदान की।

प्रयासों की सराहना

स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और समुदाय के नेताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में कौशल आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आईआईटी इंदौर और डीएसटी सीड कार्यक्रम के प्रयासों की सराहना की। समापन एक संवादात्मक सत्र व प्रतिभागियों को अध्ययन सामग्री वितरण के साथ हुआ। आयोजन श्रमिक विकास मिशन के अंतर्गत वंचित समुदायों को कौशल विकास और प्रौद्योगिकी आधारित ग्रामीण समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।